

प्रेषक,

अर्जुन सिंह,  
अपर सचिव  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण,  
उद्यान भवन चौबटिया-रानीखेत।

उद्यान एवं रेशम अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 28 अप्रैल, 2008

विषय:- वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-29 के आयोजनागत पक्ष की योजना 09-जड़ी-बूटी शोध संस्थान को अनुदान में प्राविधानित धनराशि की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक-785/1-1(102)/2008-09 दिनांक 27 मार्च, 2008 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक में विभागीय अनुदान संख्या-29 के आयोजनागत पक्ष में राज्य सैक्टर की चालू योजना 09-जड़ी-बूटी शोध संस्थान को अनुदान के 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता मद में कुल प्राविधानित रु०-526.75 लाख (रुपये पांच करोड़ छब्बीस लाख पचहत्तर हजार मात्र) के विरुद्ध प्रथम किस्त के रूप में रु०-1,30,00,000.00 (रुपये एक करोड़ तीस लाख मात्र) की धनराशि व्यय हेतु निम्नांकित शर्तानुसार आपके निर्वहन में रखे जाने की महामहिम श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- इस धनराशि का व्यय संस्थान के निदेशक मण्डल द्वारा अनुमोदित कार्यों के लिये ही किया जायेगा।
- 2- धनराशि का आहरण एवं व्यय वास्तविक आवश्यकतानुसार ही किस्तों में किया जायेगा।
- 3- उक्त व्यय करते समय वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-267/XXVII(1)/2008, दिनांक-27 मार्च, 2008 (छायाप्रति संलग्न) में दिये गये दिशा-निर्देशों तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों/निर्देशों एवं बजट मैनुअल के सुसंगत नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।
- 4- किसी भी शासकीय व्यय हेतु भण्डार कय प्रक्रिया (स्टोर्स पर्चेस रूल्स) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिष्पादन नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 आद्य व्यय सम्बन्धी नियम शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा तथा कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का कय सूचना प्रौद्योगिकी(I.T.) विभाग के शासनादेशों/दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।
- 5- अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेजिंग त्रैमास के आधार पर शासन को उपलब्ध करायी जाय, जिससे राज्य स्तर पर कैशफ्लो निर्धारित किए जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो।
- 6- चालू/नये निर्माण कार्यों की दशा में प्रत्येक के आगणन/पुनरीक्षित आगणनों पर प्रशासनिक तथा वित्तीय अनुमोदन के साथ-साथ आगणनों पर सक्षम अधिकारी की तकनीकी स्वीकृति भी प्राप्त कर ही धनराशि आहरित/व्यय की जायेगी।
- 7- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय तथा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो तो उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- 8- व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति निर्गत की जा रही है, साथ ही किसी भी प्रकार के मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं रहेगा।

9- व्यय की सूचना प्रपत्र बी0एम0-13 पर प्रत्येक माह की 20 तारीख तक वित्त विभाग को अवश्य उपलब्ध कराई जाय तथा धनराशि का आहरण/व्यय एकमुश्त न करके आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।

10- लघु निर्माण कार्य व अन्य निर्माण कार्यो हेतु लोक निर्माण विभाग की वर्तमान प्रचलित दरों पर ही आगणन गठित करके कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।

11- "जड़ी-बूटी शोध एवं विकास संस्थान, गोपेश्वर से सम्बन्धित व्ययों के वहन हेतु अग्रेत्तर किश्तें तभी अवमुक्त की जायेंगी, जब गत वित्तीय वर्ष 2007-08 में अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष वित्तीय एवं भौतिक प्रगति के स्पष्ट विवरण सहित उपयोग प्रमाण-पत्र शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा, एवं इस वित्तीय वर्ष में किये जाने वाले कार्यो/व्ययों का विवरण व उस हेतु विस्तृत कार्ययोजना मय लक्ष्यों (त्रैमासिक एवं वार्षिक) पर प्रबन्ध परिषद का अनुमोदन प्राप्त कर विवरण शासन को प्रस्ताव प्रस्तुत कर दिया जायेगा।

12- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में अनुदान संख्या-29 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि कर्म-00-आयोजनागत-119-बागवानी और सब्जियों की फसलें-09-जड़ी-बूटी शोध संस्थान को अनुदान 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता मद के नामे डाला जायेगा।

13- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-25(P)/XXVII-4/2008, दिनांक-22 अप्रैल, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(अर्जुन सिंह)

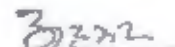
अपर सचिव।

संख्या-451/XVI/08/7(31)/08, तददिनांक:

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग माजरा, देहरादून।
2. निदेशक, जड़ी-बूटी शोध एवं विकास संस्थान, गोपेश्वर (चमोली)।
3. वित्त अनुभाग-4/नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
4. समस्त वरिष्ठ कौषाधिकारी/कौषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय/राज्य योजना आयोग, उत्तराखण्ड।
6. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
7. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
8. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
9. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,



(अहमद अली)

अनु सचिव।